multidisciplinery team of scientific/technical personnel alongwith Animal Scientist. The activities related to livestock production and management are taken up within the overall need of the fanning system prevailing in the area.

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्फीति के प्रतिनिधि मंडल की ओर से अभ्यावेदन

739. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हिमाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्र,लाहौल स्फीति जिले का एक प्रतिनिधि मंडल हाप्स उत्पादनों की समस्याओं के संबंध में गत सत्र के दौरान उनसे मिला था और उन्हें एक लिखित ज्ञापन भी दिया था;और

(ख) यदि हां,तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई हैं ?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) जी,नहीं । तथापि,प्रतिधि प्रधान मंत्री जी से मिला था तथा उसने एक ज्ञापन प्रस्तृत किया था ।

(ख) ज्ञापन में उठाए गए मुद्दे अलग-अलग विभागों के क्षेत्र में आते है और इस मामले पर संबंधित प्राधिकारियों के साथ बातचीत की गई हैं ।

उर्वरकों के मूल्यों में वृद्धि

740.**राम गोपाल यादव**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उर्वरकों के मूल्यों में वृद्धि करने की नीतिगत फैसला कर लिया है; यदि हां,तो उसके क्या कारण है;

(ख) यदि उर्वरकों के मूल्यों मे वृद्धि की जाती है तो इसकी प्रति बोरी दर क्या होगी तथा यह बढी हुई दर कब से लागू होगी और मध्यम तथा निम्र वर्ग के किसानों पर इस वृद्धि का प्रभाव पड़ेगा; और

(ग) क्या सरकार उर्वरको पर दी जा रही राज सहायता समाप्त कर रही है/ यदि हां, तो उसके क्या कारण है और यदि नही, तो मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है?

कृषि मंत्री (**श्री चतुरानन मिश्र**) : (क) जी, हां। यूरिया के मूल्य में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है ताकि एनपीके पोषकों के उपयोग में असतुलन को कम किया जा सके। फॉस्फेटिक, पोटाशिक एंव निम्र विश्लेषण नाइट्रोजेन्स उर्वरकों के मूल्यों को पहले ही विनियंत्रित किया जा चुका है।

(क)यूरिया के मूल्य में वृद्धि 21.2.97 से प्रभावी होगी तथा संशोधित मूल्य 183/- रु. प्रति 50 कि.ग्रा. थैला है (3660 रु. प्रति टन)। यह वृद्धि मध्यम, छोटे एवं सीमान्त सहित सभी वर्ग के किसानों पर लागू होगी।

(ख)जी, नही। भारत सरकार यूरिया पर राजसहायता के अलावा किसानों को फॉस्फेटिक एंव पोटाशिक उर्वरकों की बिक्री पर रियायत दे रही है।

Industrial Units for Production of Milk Powder and Ghee

741. SHRI GYAN RANJAN: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state:

(a) the names and locations of large scale industrial units set-up for preparing milk powder and ghee from milk;

(b) the capacity of these units and expenditure incurred on their setting-up; and

(c) whether Govemment propose to set-up such units in all the States to meet the shortage of milk and ghee?

THE MINISTER OF STATE OF THE DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING (DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) and (b) most of the units are not owned by the Government and hence details regarding the expenditure incurred in their setting up are not available. The information regarding the names and locations of the units is being compiled.

(c) Government have financed the setting up of such units in most of the states through the Operation Flood Programme.

Central Schemes for Development of Animal Husbandry and Dairying in Rajasthan

742. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of ANUMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state:

(a) the details of various Central schemes being implemented in Rajasthan